<table>
<tr><td colspan="5">संगीत - तबला में स्नातक( बी0ए0)<br><u>उद्देश्य</u> - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संगीत के मध्यकाल, अवनद्य वाद्यों, मार्ग व देशी संगीत एवं प्रसिद्ध तबला वादकों के जीवन से अवगत कराना है तथा पाठ्यक्रमानुसार तबला के प्रयोगत्मक पक्ष की शिक्षा प्रदान करना है।</td></tr>
<tr><td colspan="5">पंचम सेमेस्टर कोर कोर्स का पाठ्यक्रम</td></tr>
<tr><th>क्र0 सं0</th><th>कोर्स शीर्षक</th><th>कोर्स कोड</th><th>अंक</th><th>श्रेयांक</th></tr>
<tr><td>1</td><td>हिंदुस्तानी संगीत का शास्त्रीय सिद्धान्त - तबला एवं प्रयोगात्मक</td><td>बी0ए0एम0टी0(एन)-301</td><td>100</td><td>4</td></tr>
<tr><td rowspan="7">प्रथम खण्ड</td><td>हिंदुस्तानी संगीत का शास्त्रीय सिद्धान्त - तबला</td><td></td><td>50</td><td>2</td></tr>
<tr><td>इकाई 1 - भारतीय संगीत का इतिहास – मध्यकाल।</td><td rowspan="6"></td><td rowspan="6"></td><td rowspan="6"></td></tr>
<tr><td>इकाई 2- प्राचीन, मध्य व आधुनिक काल में प्रयुक्त होने वाले भारतीय अवनद्ध वाद्य|</td></tr>
<tr><td>इकाई 3 - मार्ग संगीत, देशी संगीत, नायक, गायक, वाग्गेयकार, कलावन्त, गीत, गांधर्व, गान, आविर्भाव, तिरोभाव, काकु व तान।</td></tr>
<tr><td>इकाई 4 - तबला वादकों का जीवन परिचय ( उ0 आबिद हुसैन, उ0 शेख दाऊद, उ0 लतीफ अहमद खॉं व पं0 बीरु मिश्र ) ।</td></tr>
<tr><td>इकाई 5 - पाठयक्रम की तालों रूपक, तिलवाड़ा एवं झूमरा ताल का परिचय एवं बोल समूह द्वारा ताल पहचानना ; पाठयक्रम की तालों रूपक, तिलवाड़ा एवं झूमरा ताल के ठेके को दुगुन, तिगुन, चौगुन एवं आड़ लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।</td></tr>
<tr><td>इकाई 6 - पाठ्यक्रम की तालों रूपक, तिलवाड़ा एवं झूमरा ताल में तबले/पखावज की रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) को लिपिबद्ध करना।</td></tr>
<tr><td rowspan="10">द्वितीय खण्ड</td><td>प्रयोगात्मक</td><td></td><td>50</td><td>2</td></tr>
<tr><td>इकाई 7 - रूपक ताल में एकल वादन।*</td><td rowspan="9"></td><td rowspan="9"></td><td rowspan="9"></td></tr>
<tr><td>इकाई 8 - तिलवाड़ा ताल का ज्ञान।</td></tr>
<tr><td>इकाई 9 - झूमरा ताल का ज्ञान।</td></tr>
<tr><td>इकाई 10 - पाठ्यक्रम की तालों रूपक, तिलवाड़ा एवं झूमरा ताल की पढन्त।</td></tr>
<tr><td>इकाई 11 - पाठ्यक्रम की तालों रूपक, तिलवाड़ा एवं झूमरा ताल के ठेकों को दुगुन, तिगुन, चौगुन एवं आड़ लयकारी में पढ़ना।</td></tr>
<tr><td>इकाई 12 - तबले के बोलों व रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) की पढन्त।</td></tr>
<tr><td>इकाई 13 - तबला वाद्य को मिलना|</td></tr>
<tr><td>इकाई 14 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।</td></tr>
<tr><td>* एकल वादन - उठान/मुखड़ा , एक पेशकार(तीन पलटों व तिहाई सहित) , दो कायदा(तीन पलटों व तिहाई सहित), एक रेला (तीन पलटों व तिहाई सहित), दो टुकड़े, एक चक्करदार , एक परन, एक गत एवं तिहाई ।</td></tr>
<tr><td colspan="5">ताल - रूपक ताल, तिलवाड़ा ताल व झूमरा ताल<br>नोट - पूर्व सेमेस्टरों के पाठ्यक्रम (प्रयोगात्मक) की पुनरावृत्ति।</td></tr>
</table>